बचपन के कोच दिनेश लाड ने किया खुलासा

रोहित का लक्ष्य 2027 में वनडे विश्व कप जीतना है

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर क्रिकेट जगत को हैरान करने वाले रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि इस स्टार बल्लेबाज का लक्ष्य 2027 में एकदिवसीय विश्व विश्व कप जीतना है। भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप और इस साल के शुरू में चैंपियंस ट्रॉफी एक दिवसीय टूर्नामेंट जीता था।

भारत ने 2011 के बाद वनडे विश्व कप नहीं जीता है और देश के सबसे सफल कप्तानों में से एक रोहित यह ट्रॉफी भी अपने नाम पर दर्ज करना चाहेंगे। लाड ने कहा, उनका (रोहित) लक्ष्य 2027 वनडे विश्व कप जीतना और फिर संन्यास लेना है। लाड ने कहा, 'उनका लक्ष्य विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप था, लेकिन दुर्भाग्य से हम क्वालीफाई नहीं कर सके। अब 2027 में विश्व कप है। मैं भी चाहता हूं कि वह 2027 में विश्व कप जीते और फिर संन्यास लें। वनडे विश्व कप 2027 में अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। लाड ने कहा कि इस दिग्गज खिलाड़ी का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना अपने करियर को लंबा खींचने के लिए एक रणनीतिक फैसला है। उन्होंने कहा, 'रोहित ने इसे (टेस्ट से संन्यास लेने का फैसला) जल्दबाजी में नहीं लिया। वह विश्व कप (पिछले साल अमेरिका में) के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेलना चाहते थे, लेकिन अन्य दो प्रारूपों में खेलने का फैसला उनका था। उन्होंने इस बारे में अच्छी तरह से सोचा होगा कि उनके लिए सबसे अच्छा क्या है। जब उनसे पूछा गया कि क्या रोहित इंग्लैंड के खिलाफ इस साल जून में होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में कप्तानी करने को लेकर आश्वस्त नहीं थे, उन्होंने कहा, 'इस फैसले का इंग्लैंड के आगामी दौरे से कोई लेना-देना नहीं है। उनकी सोच अगली पीढ़ी को मौका देना होगा, जैसा उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद किया था। लाड ने यह भी साझा किया कि वेस्टइंडीज के खिलाफ रोहित की टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर खेली गई शतकीय पारी उनका सबसे यादगार पल था। रोहित ने 2013 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रन बनाए थे। उन्होंने कहा, 'वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उनका पहला टेस्ट शतक था। यह उनकी मेरी पसंदीदा टेस्ट पारी है।

भारत के अगले टेस्ट कप्तान पर पूर्व क्रिकेटर ने दी राय

जसप्रीत बुमराह को मौका मिलना चाहिए...

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल ने कहा कि रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भविष्य में टीम की कमान संभालने का मौका दिया जाना चाहिए। रोहित ने 11 साल के टेस्ट करियर को अलविदा कह दिया जिससे इस साल जून में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत से पहले नए कप्तान पर बहस तेज हो गई है। अगले कप्तान के संभावित उम्मीदवार के बारे में बात करते हुए मदन लाल ने कहा, जसप्रीत बुमराह को मौका मिलना चाहिए। वह बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

वह टीम के स्थायी सदस्य हैं। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जिन्हें उप-कप्तान बनाया जा सकता है...। 2022-25 के बीच बुमराह ने तीन टेस्ट मैचों में भारत की अगुआई की, जिसमें से एक में जीत मिली और दो में हार मिली। वह पहले भी टेस्ट में भारत के उप-कप्तान रह चुके हैं। टेस्ट में उनकी कप्तानी का कार्यकाल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें पुनर्निर्धारित टेस्ट के साथ शुरू हुआ जिसमें भारत सात विकेट से हार गया।

कप्तान के रूप में उनका अगला टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान पर्थ में हुआ, जहां उन्होंने भारत को यादगार 295 रनों की जीत दिलाई और श्रृंखला में 1-0 की बढ़त दिलाई। यह श्रृंखला में टीम की एकमात्र जीत भी थी। सिडनी में अंतिम टेस्ट में भारत के 1-2 से पिछड़ने के बाद वह कप्तान के रूप में लौटे लेकिन भारत टेस्ट और श्रृंखला 1-3 से हार गया और आधिकारिक तौर पर आईसीसीविश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया।

Champions League:

आर्सेनल को हराकर PSG चैंपियंस लीग के फाइनल में, इंटर मिलान से खिताबी मुकाबला

पेरिस, 08 मई (एजेंसी)। पीएसजी दूसरी बार यूरोप के इस शीर्ष क्लब टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। वह पांच साल पहले उपविजेता रहा था। उसने सुपरस्टार किलियन एमबाप्पे के रियाल मैड्रिड से जुड़ने के बाद पहले सत्र में ही यह कारनामा किया।

पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एक के बाद एक हमलों का डटकर सामना करते हुए आक्रामक अंदाज में खेल रहे आर्सेनल को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में उसका सामना इटैलियन क्लब इंटर मिलान से होगा।

सेमीफाइनल के पहले चरण में 1-0 से जीत हासिल करने वाली पीएसजी की टीम को शुरू में गेंद पर कब्जा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन जवाबी हमलों और गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा के शानदार प्रदर्शन से उसने 3-1 के कुल स्कोर के साथ जीत हासिल करके शान से फाइनल में जगह बनाई। पीएसजी दूसरी बार यूरोप के इस शीर्ष क्लब टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। वह पांच साल पहले उपविजेता रहा था। उसने सुपरस्टार किलियन एमबाप्पे के रियाल मैड्रिड से जुड़ने के बाद पहले सत्र में ही यह कारनामा किया। पीएसजी के कोच लुई एनरिक ने कहा, मैंने पहले दिन से कहा था कि हमारा लक्ष्य इतिहास बनाने की स्थिति में आने के लिए पर्याप्त मेहनत करना है।

यही हमारा लक्ष्य है।

फ्रांस का यह क्लब 31 मई को म्यूनिख में होने वाले फाइनल में इंटर मिलान से भिड़कर अपने पहले चैंपियंस लीग खिताब के लिए फिर से प्रयास करेगा। तीन बार के यूरोपीय चैंपियन इंटर मिलान ने प्रतियोगिता के इतिहास के सबसे रोमांचक सेमीफाइनल में से एक में बार्सिलोना को 7-6 के कुल स्कोर से हराया। आर्सेनल के खिलाफ पीएसजी की तरफ से फैबियन रुइज़ ने 27वें मिनट में पहला गोल किया। अचरफ हकीमी ने 72वें मिनट मे स्कोर 2-0 कर दिया। इसके चार मिनट बाद बुकायो साका ने आर्सेनल की तरफ से एकमात्र गोल किया।

आईपीएल 2025: आचार संहिता के उल्लंघन पर केकेआर के गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती पर लगा जुर्माना

कोलकाता, 08 मई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर बुधवार को ईडन गार्डन्स में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और साथ ही उन्हें एक डिमेरिट अंक भी दिया गया। वरुण को आईपीएल आचार संहिता की धारा 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो मैच में किसी अन्य खिलाड़ी के प्रति अपमानजनक भाषा, कार्य या हाव-भाव का प्रयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़काने से संबंधित है। आईपीएल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, वरुण चक्रवर्ती ने आर्टिकल 2.5 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है। आईपीएल आचार संहिता आर्टिकल 2.5 के अनुसार, जब कोई बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट रहा होता है तो उत्साह में कई बार गेंदबाज बल्लेबाज ऐसी प्रतिक्रिया देते हैं, जिससे बल्लेबाजी की ओर से जवाबी प्रतिक्रिया मिलने की संभावना बढ़ जाती है। कई मौकों पर फील्ड अंपायरों को बीच-बचाव के लिए आना पड़ता है। गेंदबाज की ओर से बल्लेबाज के प्रति इस तरह की प्रतिक्रिया अपमान के तौर पर मानी जाती है। भले ही बल्लेबाज स्वयं अपमानित न महसूस करता हो। आर्टिकल 2.5 में अगर कोई बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट रहा हो उस वक्त गेंदबाज की ओर से उसके बहुत करीब जाकर जश्न मनाना, आउट बल्लेबाज को मौखिक रूप से गाली देना, पवेलियन की ओर इशारा करना आदि ऐसे मामले हैं जिनमें गेंदबाज को दोषी ठहराया जा सकता है।

चोटिल देवदत्त पडिक्कल की जगह मयंक अग्रवाल आरसीबी से जुड़े

बेंगलुरु, 08 मई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने देवदत्त पडिक्कल की चोट के कारण उनकी जगह लेने के लिए मयंक अग्रवाल को अनुबंधित किया है। आईपीएल ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों के लिए देवदत्त पडिक्कल की चोट के कारण उनकी जगह लेने के लिए मयंक अग्रवाल को अनुबंधित किया है। इस सीजन में आरसीबी के लिए 10 मैच खेलने वाले और दो अर्धशतकों की मदद से 247 रन बनाने वाले देवदत्त पडिक्कल को दाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई है। मयंक अग्रवाल ने अब तक 127 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 2661 रन बनाए हैं। उनके नाम 1 आईपीएल शतक और 13 अर्धशतक दर्ज हैं।वे 1 करोड़ रुपये में आरसीबी से जुड़े हैं।

एक्टर के बारे में बात करते हुए इमोशनल हुईं जैस्मिन भसीन

सिद्धार्थ खाने के बड़े शौकीन थे

टीवी की टॉप एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन लाखों दिलों पर राज करती हैं। वह बिग बॉस 14 में भी नजर आई थीं। उन्होंने टीवी शो दिल से दिल तक के जरिए घर-घर पहचान बनाई। इस शो में उन्होंने सिद्धार्थ शुक्ला के साथ काम किया था। टेलीविजन होस्ट सिद्धार्थ कन्नन से बात करते हुए जैस्मिन ने सिद्धार्थ शुक्ला के साथ बिताए गए पलों के बारे में बताया। सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में, जैस्मिन भसीन ने खुलासा किया कि उनके लिए सिद्धार्थ शुक्ला की मौत बेहद चौंकाने वाली थी। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ शुक्ला के साथ मेरी बहुत सारी यादें हैं। हमने दिल से दिल तक के सेट पर खूब मस्ती की है। वह खाने के बड़े शौकीन थे। वह जिंदगी को खुलकर जीते थे। उन्होंने कई मुश्किल सीन में मेरी मदद की है और मोटिवेट किया है। वह हमेशा मेरे लिए खड़े रहते थे। इस दौरान जैस्मिन काफी भावुक हो गईं और रोने लगीं। जैस्मिन ने सिद्धार्थ के साथ ज्यादा समय नहीं बिताने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, सब लोग बोलते हैं कि वक्त का कुछ पता नहीं होता... हम सिर्फ बोलते हैं, लेकिन मानते नहीं हैं।

यह सच है, सिद्धार्थ के मामले में पता ही नहीं चला और अचानक ऐसी खबर सुनने को मिली। उनके निधन पर चर्चा करना वास्तव में परेशान कर देता है। यही वजह है कि मैं इससे बचती रहती हूं। उन्होंने कहा, जो अच्छे लोग होते हैं, उन्हें भगवान जल्दी बुला लेता है। बिग बॉस के बाद हमारे पास बहुत सी बातें थीं, जिनके बारे में हम बात करना चाहते थे। हम एक-दूसरे से कहते थे- हां मिलते हैं, हां मिलते हैं लेकिन मिलने के लिए समय निकाला ही नहीं और एक दिन वह अचानक इस दुनिया को छोड़ गए। बता दें कि सिद्धार्थ शुक्ला का निधन 2 सितंबर 2021 को हार्ट अटैक के चलते हुआ था। सिद्धार्थ की अचानक मौत ने हर किसी को हैरान कर दिया था।

हीरोइन आवाज उठाती है तो कहते हैं नखरे कर रही

मंजरी फडनिस इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो आर्मी बैकग्राउंड की होने के बावजूद टीवी, ओटीटी, नाटक और फिल्मों जैसे हर माध्यम में काम कर चुकी हैं। जाने तू या जाने ना जैसे फिल्म से रातों-रात लोकप्रिय हुई मंजरी को इंडस्ट्री में लंबा इंतजार और संघर्ष करना पड़ा है। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म पुणे हाइवे से। मंजरी ने की ढेर सारी बातें।

मंजरी मानती हैं कि उनके 20 साल के करियर का संपूर्ण दौर उनके लिए संघर्ष भरा रहा है। वे कहती हैं, मैंने रोज कुआं खोदा और रोज पानी पिया है। खास तौर पर जब आप इस इंडस्ट्री से नहीं आते, तो आपके लिए कोई मशीनरी काम नहीं कर रही होती, तब आप कहीं उपेक्षित हो जाते हैं।

मेरी पहली फिल्म जाने तू या जाने ना बहुत बड़ी हिट हुई थी। उस साल मुझे अपनी पहली फिल्म के लिए काफी अवॉर्ड्स मिले थे। सभी मेरी तारीफ़ कर रहे थे, मगर किसी भी निर्देशक ने उसके बाद मुझे ऐसा कोई दमदार रोल नहीं दिया। मैं भी हीरो की फ्रेंड या सेकंड लीड जैसे सपोर्टिंग रोल में टाइपकास्ट नहीं होना चाहती थी। मैं अच्छे किरदारों का इंतजार कर रही थी, जो कभी मेरे पास आए ही नहीं। इस दौरान मैंने कई फिल्मों में काम किया, मगर वो उतनी बड़ी नहीं थी। मेरी मानसिक स्ट्रगल मेरी काफी लंबी चली।

मर्द कई बार पावर का गलत इस्तेमाल करते हैं

मंजरी फड़नीस उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो लगातार हर माध्यम में महिला प्रधान भूमिकाओं को मजबूती प्रदान करती गईं हैं। महिला मुद्दों पर वे कहती हैं, महिलाओं को लेकर दुनिया भर में कई मुद्दे हैं, मगर जब कोई मर्द पावर में होते हैं, तो कई बार वे अपनी पावर का गलत इस्तेमाल करना चाहते हैं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, मगर कई बार ऐसा होता है। इससे हम सभी को डील करना पड़ता है। कई ऐसे हैं, जिनके पास अकूत ताकत है, वे मेरी योग्यता के बलबूते पर मेरा भाग्य बदल सकते हैं, मगर वे गलत कारण चुनते हैं और मैं उन वजहों को साफ तौर पर नकार देती हूं। मैं यही नहीं कहूंगी कि मैं शिकार हूं, अगर मैं पीड़ित होती, तो हार मान चुकी होती।